जल- केशिका क्रिया

क्या आपने कभी अपना गीला चेहरा सूती तौलिये से पोछा है? वह सम्पूर्ण जल को कैसे अवशोषित करता है? इसे केशिका क्रिया कहा जाता है। जल, कई अन्य तरल पदार्थों की तरह, छोटे ट्यूबों के संपर्क में आने पर, गुरुत्वाकर्षण के विरूद्ध ऊपर उठ सकता है। तौलिया में उपस्थित कईं छोटे छोटे छिद्र होते हैं जो ट्यूब की तरह कार्य करते हैं और जल को अवशोषित करते हैं। केशिका क्रिया कईं अद्भूत घटनाओ के लिए जिम्मेदार है जो हम दिन- प्रतिदिन अपने जीवन में देखते है ।

केशिका क्रियाएँ, पानी से भरे फूलदान में रखे फूलों को मुरझाने से रोकने में मदद करती हैं।

क्या आपने कभी सोचा है कि एक तेल का दीपक प्रकाशित क्यों रहता है? यह वास्तव में बाती की केशिका क्रिया ही है

जो दीपक की ज्योति को जलते रखने के लिए तेल की निरंतर आपूर्ति करती है।

अगला तथ्य >>
वर्षा